पद १९0

(राग: झिंजोटी - ताल: त्रिताल)

कमलदलनयना ते कान्हा ।।ध्रु.।। नवल सांगूं काई। दुभती वांझ गायी। सोडुनिया पान्हा रे।।१।। ध्यास दिवानिशीं। चित्त तुझेपाशीं। नाठवे बाळ तान्हा रे।।२।। माणिकप्रभुजवळी नाचे गोपबाळी। विसरुनि देह भाना रे।।३।।